

एम.ए. वैदिक वाङ्.मय
पूर्वाद्ध व उत्तराद्ध परीक्षा –2018

पूर्वाद्ध परीक्षा

प्रथम प्रश्न पत्र –	ऋग्वेद
द्वितीय प्रश्न पत्र –	यजुर्वेद
तृतीय प्रश्न पत्र –	सामवेद एवं अथर्ववेद
चतुर्थ प्रश्न पत्र –	वेदार्थ प्रक्रिया

उत्तराद्ध परीक्षा

प्रथम प्रश्न पत्र –	ब्राह्मण साहित्य
द्वितीय प्रश्न पत्र –	आरण्यक तथा उपनिषद्
तृतीय प्रश्न पत्र –	प्रातिशाख्य
चतुर्थ प्रश्न पत्र –	कल्पसूत्र
प्रचम प्रश्न पत्र –	वैदिक साहित्य एवं संस्कृति अथवा लघुशोध प्रबन्ध

पूर्वाद्ध
प्रथम प्रश्न पत्र – ऋग्वेद

प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है।
समय 3 घण्टे

पूर्णांक 100 अंक

पाठ्यक्रम

1.	वैदिक सूक्त मंत्रों की व्याख्या एवं सामान्य प्रश्न	40 अंक
2.	पद पाठ	10 अंक
3.	वैदिक स्वर प्रक्रिया	10 अंक
4.	वैदिक व्याकरण	10 अंक
5.	वृहद्देवता	10 अंक
6.	ऋग्वेदादिभाष्य भूमिका	
क.	दयानन्द, वेदोत्पत्ति, नित्यत्व एवं वेद-विषय तथा संज्ञा प्रकरण	10 अंक
ख.	सायण (सम्पूर्ण)	10 अंक

पाठ्यक्रम

1. वैदिक सूक्त 40 अंक
निम्नलिखित सूक्त अध्ययन के लिए निर्धारित है। आचार्य सायण, महर्षि दयानन्द, कपालशास्त्री आदि के भाष्यों का ज्ञान आवश्यक है।
ऋग्वेद – 1. अग्नि (1/1), 2. मरुत् (1/85), 3. अस्यवामीय (1/164), 4. रूद्र (2/33), 5. अपानिपात् (2/35), 6. विश्वामित्र नदी संवाद (3/33), 7 उषस् (4/51), 8. अश्विनी, (7/71) 9. वरुण (7/86), 10. पितर (10/15), 11. वाक् (10/125), 12. पुरुष (10/90), 13. नासदीय (10/129)

नोट: तीन मंत्रों की व्याख्या एवं ऋषि तथा देवता सम्बन्धी प्रश्न पूछे जाएंगे।

2.	पद पाठ – किन्हीं दो मंत्रों का पद पाठ	10 अंक
3.	वैदिक स्वर प्रक्रिया – विभक्ति स्वर, आख्यात स्वर तथा वाक्य स्वर	10 अंक
4.	वैदिक व्याकरण – शब्द, रूप, आख्यातरूप, उपसर्ग	10 अंक

- | | | |
|----|---|--------|
| 5. | वृहद्देवता — प्रथम अध्याय | 10 अंक |
| 6. | ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका — (क) स्वामी दयानन्द | 10 अंक |
| | (ख) आचार्य सायण | 10 अंक |

नोट : सामान्य ज्ञान अपेक्षित है। सैद्धान्तिक प्रश्न प्रष्टव्य है।

सहायक ग्रन्थ

- | | | | |
|-----|---|---|-----------------------|
| 1. | ऋग्वेद भाष्य | — | स्वामी दयानन्द |
| 2. | ऋग्वेद भाष्य | — | आचार्य सायण |
| 3. | ऋग् भाष्य संग्रह | — | देवराज चानना |
| 4. | भूमिका भास्कर | — | विद्यानन्द सरस्वती |
| 5. | वैदिक व्याकरण | — | ए.ए. मैकडानल |
| 6. | वैदिक स्वर मीमांसा | — | पं. युधिष्ठिर मीमांसक |
| 7. | वैदिक देवता — उद्भव एवं विकास (दो खण्डों) डॉ. गयाचरण त्रिपाठी | | |
| 8. | वैदिक ऋषि — डॉ. कपिल देव शास्त्री | | |
| 9. | Thousand Syllable Speech - Dr. V.S. Agarwal. (सहस्राक्षरा वाक्) | | |
| 10- | Philosophy of Dirgtamal Dr. S.P. Singh | | |

द्वितीय प्रश्न पत्र — यजुर्वेद

समय 3 घण्टे

पूर्णांक 100 अंक

नोट— प्रश्न पत्र संस्कृत में बनेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से उत्तर देने हेतु निर्धारित है।

पाठ्यक्रम

- | | | | | | |
|----|-------------------------|----|--|----|--------------------|
| 1. | शुक्ल यजुर्वेद | 2. | ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका व यजुर्वेदभाष्यभूमिका | 3. | यज्ञ तत्त्व प्रकाश |
| 4. | यज्ञों का सामान्य परिचय | | | | |

अंक विभाजन

- | | | |
|---|---|--------|
| 1. | शुक्ल यजुर्वेद — अध्याय 1,2,3,9,10 | 50 अंक |
| (महर्षि दयानन्द सरस्वती एवं उव्वट, महीधर के भाष्यों का तुलनात्मक अध्ययन अपेक्षित है।) | | |
| नोट मंत्रों की व्याख्या पृष्टव्य है। | | |
| 2. | (क) ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका — महर्षि दयानन्द | |
| | (ब्रह्मविद्या, वेदोक्त धर्म एवं सृष्टि विद्या प्रकरण) | 10 अंक |
| | (ख) यजुर्वेदभाष्यभूमिका — सायण | 10 अंक |

नोट— सामान्य प्रश्न प्रष्टव्य है।

- | | | |
|----|---|--------|
| 3. | यज्ञ तत्त्व प्रकाश —चिन्न स्वामी | 20 अंक |
| 4. | यज्ञों का सामान्य परिचय (सामान्य प्रश्न प्रष्टव्य है) | 10 अंक |

सहायक ग्रन्थ

- | | | | |
|----|---------------------|---|-----------------------|
| 1. | यजुर्वेदभाष्य | — | महर्षि दयानन्द |
| 2. | ऋग्वेदादिभाष्य | — | महर्षि दयानन्द |
| 3. | भूमिका भास्कर | — | विद्यानन्द सरस्वती |
| 4. | यजुर्वेदभाष्यभूमिका | — | सायणाचार्य |
| 5. | यजुर्वेद एवं सामवेद | — | कुन्दनलाल शर्मा |
| 6. | यज्ञतत्त्वप्रकाश | — | चित्र स्वामी |
| 7. | यज्ञपरिचय | — | पं. युधिष्ठिर मीमांसक |

तृतीय प्रश्न पत्र – सामवेद एवम् अथर्ववेद

समय 3 घण्टे

पूर्णांक 100 अंक

नोट— प्रश्न पत्र संस्कृत में बनेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से उत्तर देने हेतु निर्धारित है।

पाठ्यक्रम

- | | |
|--------------------------|--|
| 1. मान संहिता | 2. सामवेद – भाष्यभूमिका |
| 3. अथर्ववेद | 4. सामगान परिचय |
| 5. अथर्ववेद भाष्य भूमिका | 6. अथर्ववेद के सूक्तों से सम्बन्धित प्रश्न |

अंक विभाजन

- | | |
|---|--------|
| 1. मान संहिता – पं. सातवेलकर : ग्राम मेघ गान के प्रथम 10 गानद्व | 20 अंक |
| 2. सामवेद – भाष्यभूमिका – सायण | 10 अंक |
| 3. सामगान परिचय (परिभाषिक पदावलिः) | 10 अंक |
| 4. अथर्ववेद – 1. मेघाजनन (1/1), 2. अपभेषजम् (1/5), 3. राज्ञःचयनम्, | |
| 4. वाणिज्य (3/15) 5. कृषि (3/17), 6. साम्नस्य (3/30), 7. अनङ्गवान (4/11), 8. राष्ट्रभाषा (7/12), 9. ब्रह्म (10/2), 10. ब्रह्मचारी | |
| (11/15), 11. ई भूमि (12) विवाह (14/1), 13. विवाह (14/2) 14. ब्रात्य (15) | 30 अंक |
| 5. अथर्ववेद भाष्यभूमिका – सायण | 15 अंक |
| 6. सूक्तों से सम्बद्ध समालोचनात्मक प्रश्न | 15 अंक |

सहायक ग्रन्थ :

- | | |
|--|-------------------|
| 1. सामगान : उद्गीत व्यवहार एवं सिद्धान्त | — डॉ. पंकज शर्मा |
| 2. अथर्ववेद का सुबोध भाष्य | — दामोदर सातवलेकर |

चतुर्थ प्रश्न पत्र – वेदार्थ प्रक्रिया

समय 3 घण्टे

पूर्णांक 100 अंक

नोट— प्रश्न पत्र संस्कृत में बनेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से उत्तर देने हेतु निर्धारित है।

पाठ्यक्रम

- | | |
|--------------------------------------|---|
| 1. निरुक्त (यास्क) | 2. ब्राह्मण ग्रन्थों में निरुक्ति प्रक्रिया |
| 3. वेद भाष्यकार (प्राचीन, मध्ययुगीन) | 4. आधुनिक भाष्यकार |
| | 5. पाश्चात्य भाष्यकार |

अंक विभाजन

- | | |
|---|--------|
| 1. निरुक्त : यास्क प्रणीत – आचार्य छज्जूराम शास्त्री कृत व्याख्या | 40 अंक |
| 2. शतपथ ब्राह्मण आदि की प्रसिद्ध निरुक्तियाँ | 10 अंक |
| 3. वेद भाष्यकार : स्कन्द स्वामी, उद्गीत आत्मानन्द, वेंकटमाधव, सायण, उव्वट महीधर | 20 अंक |
| नोट: परिचय एवं व्याख्या पद्धति से सम्बन्धित प्रश्न | |
| 4. आधुनिक भाष्यकार | 20 अंक |
| स्वामी दयानन्द, अरविन्द, मधुसूदन, ओझा तथा पं. दामोदर सातवलेकर | |
| 5. पाश्चात्य भाष्यकार | 10 अंक |
| विल्सन, मैक्समूलर रॉथ, मैक्डॉनल, ग्रासमैन, ग्रिफिथ | |

सहायक ग्रन्थ

- | |
|--|
| 1. वेदार्थ प्रक्रिया – डॉ. रामगोपाल |
| 2. वेदों का यथार्थ स्वरूप – पं. धर्मदेव विद्यामार्तण्ड |
| 3. वैदिक वाङ्मय का इतिहास – पं. भगवद्दत्त |
| 4. वेदव्याख्या – पद्धतियाँ – डॉ. सुधीर कुमार गुप्त |